

संयम से आत्मशुद्धि:मुनि वीरसागर जी महाराज



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु, 21 सितंबर 2026। दशलक्षन महापर्व के छठे दिन निर्यापक श्रमण मुनि श्री 108 वीरसागर जी महाराज ने 'उत्तम संयम धर्म' विषय पर प्रेरणादायी प्रवचन देते हुए कहा कि इंद्रियों, मन और इच्छाओं पर जागरूक नियंत्रण ही आत्मशुद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिक साधना

केवल बाहरी तप और धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि आंतरिक संयम और आत्मचिंतन भी उसका महत्वपूर्ण आधार है। जैन परंपरा में दशलक्षण महापर्व दस दिवसीय आध्यात्मिक साधना का अवसर माना जाता है। प्रत्येक दिन एक उत्तम धर्म के चिंतन और उसके जीवन में प्रयोग पर बल दिया जाता है। इसी क्रम में छठा दिन उत्तम संयम धर्म को समर्पित है। डिजिटल

युग में इंद्रिय संयम की चुनौती मुनिश्री ने आधुनिक जीवन में बढ़ते डिजिटल उपयोग को इंद्रिय संयम के संदर्भ से जोड़ते हुए कहा कि मोबाइल फोन, सोशल मीडिया और लगातार उपलब्ध डिजिटल सामग्री मनुष्य के ध्यान को बाहरी विषयों की ओर आकर्षित करती रहती है। विशेष रूप से चक्षु इंद्रिय के माध्यम से प्राप्त दृश्य मन में अनेक इच्छाओं और अपेक्षाओं को जन्म दे सकते हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से डिजिटल साधनों का विवेकपूर्ण उपयोग करने और अनावश्यक डिजिटल सामग्री से दूरी बनाकर मन को एकाग्र एवं शांत रखने का प्रयास करने का आह्वान किया। तात्कालिक तृप्ति और वास्तविक सुख प्रवचन में मुनिश्री ने इंद्रिय सुख की प्रकृति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने रोगी और औषधि का उदाहरण देते हुए समझाया कि किसी रोगी के लक्षणों में अस्थायी राहत को पूर्ण स्वास्थ्य नहीं माना जा सकता। इसी प्रकार इंद्रिय विषयों से मिलने वाली क्षणिक तृप्ति को स्थायी सुख मानना उचित नहीं है। उन्होंने खुजली

के उदाहरण के माध्यम से बताया कि खुजलाने से तत्काल राहत मिल सकती है, लेकिन बार–बार ऐसा करने से शरीर को नुकसान पहुंच सकता है। इसी तरह विषयों में निरंतर आसक्ति इच्छाओं को समाप्त करने के बजाय उन्हें बढ़ा सकती है। वास्तविक आनंद का स्रोत भीतर मुनिश्री ने कहा कि बाहरी वस्तुओं को निहित होता, तो उसे अधिक मात्रा में ग्रहण करने पर आनंद लगातार बढ़ना चाहिए, जबकि व्यवहार में अधिक सेवन असुविधा का कारण बन सकता है। उन्होंने इस संदर्भ में आत्मस्वरूप की ओर लौटने और बाहरी आकर्षणों के बजाय आंतरिक शांति एवं आत्मक्तिन को महत्व देने का संदेश दिया। संयम के चार उपाय बताए मुनिश्री ने उत्तम संयम को व्यवहार में उतारने के लिए चार प्रमुख उपायों पर जोर दियाकृ12 भावनाओं का चिंतन, सत्संग, प्रेरणादायी

शास्त्रों का अध्ययन और सजगता। उन्होंने कहा कि अनित्य, संसार और अशुचि जैसी भावनाओं का चिंतन व्यक्ति को संसार की क्षणभंगुरता समझने में सहायता करता है। सत्संग से आध्यात्मिक दिशा मिलती है, जबकि धार्मिक एवं प्रेरणादायी साहित्य का अध्ययन विवेक और नैतिक चेतना को मजबूत करता है। उन्होंने दैनिक जीवन में सजगता को भी महत्वपूर्ण बताते हुए भोजन के प्रति जागरूकता का उदाहरण दिया और कहा कि भोजन केवल स्वाद की पूर्ति के लिए नहीं, बल्कि शरीर को स्वस्थ रखते हुए साधना और कर्तव्य के योग्य बनाए रखने के लिए किया जाना चाहिए। मुनिश्री के प्रवचन में उत्तम संयम को केवल धार्मिक पर्व तक सीमित न रखते हुए दैनिक जीवन की व्यवहारिक साधना के रूप में अपनाने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि अपनी दृष्टि, विचार, इच्छाओं और इंद्रियों के प्रति सजगता विकसित करना आत्मशुद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। समाचार प्रेषकरु विपिन कुमार जैन, बेंगलुरु।

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com हुब्बल्ली, 21 सितंबर 2026। जाट समाज हुब्बल्ली–धारवाड़ की ओर से लोकदेवता सत्यवादी वीर



तेजाजी महाराज के 923वें निर्वाण दिवस तेजा दशमी के अवसर पर सोमवार को गोकुल रोड स्थित नानकी कन्वेंशन हॉल में विशेष धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। हुब्बल्ली में पहली बार आयोजित इस कार्यक्रम में जाट समाज के साथ राजस्थान मूल के विभिन्न समाजों के लोगों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम की

तैयारियों को लेकर इससे पूर्व केशवपुर स्थित पतंजलि राज्य कार्यालय में योग गुरु भंवरलाल आर्य के मार्गदर्शन में विशेष बैठक आयोजित की गई थी। बैठक में

कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे हवन एवं पूजन के साथ हुई। इसके बाद सुबह 9 बजे महाआरती का आयोजन किया गया। महाआरती के पश्चात धवा, जोधपुर के युवा गायक विनोद सियोल एवं पार्टी ने सत्संग की प्रस्तुति दी। सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं ने वीर तेजाजी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त की।

चेन्नई में स्टारबक्स का ग्लोबल टेक सेंटर , करीब 800 तकनीकी विशेषज्ञों की भर्ती की तैयारी

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com संवाददाता अशोक कुमार सिंह चेन्नई, 21 सितंबर 2026। भारत के तेजी से बढ़ते तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र के बीच चेन्नई को एक और बड़ा वैश्विक अवसर मिला है। कॉफी क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने चेन्नई में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) स्थापित करने की योजना बनाई है। इस केंद्र के माध्यम से करीब 800 तकनीकी पेशेवरों को रोजगार देने की तैयारी है। नया केंद्र कंपनी के वैश्विक कारोबार के लिए तकनीक आधारित महत्वपूर्ण कार्यों को संभालने में भूमिका निभाएगा। इसमें सॉफ्टवेयर विकास, वित्तीय सेवाओं और अनुसंधान एवं

विकास जैसे क्षेत्रों से जुड़े कार्य शामिल होंगे। चेन्नई में ग्लोबल टेक्नोलॉजी सेंटर की स्थापना से शहर के तकनीकी क्षेत्र को और मजबूती के तेजी से बढ़ते तकनीकी और डिजिटल क्षेत्र के बीच चेन्नई को एक और बड़ा वैश्विक अवसर मिला है। कॉफी क्षेत्र की अंतरराष्ट्रीय कंपनी स्टारबक्स ने चेन्नई में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (GCC) स्थापित करने की योजना बनाई है। इस केंद्र के माध्यम से करीब 800 तकनीकी पेशेवरों को रोजगार देने की तैयारी है। नया केंद्र कंपनी के वैश्विक कारोबार के लिए तकनीक आधारित महत्वपूर्ण कार्यों को संभालने में भूमिका निभाएगा। इसमें सॉफ्टवेयर विकास, वित्तीय सेवाओं और अनुसंधान एवं



मिलने की उम्मीद है। कुशल तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता, मजबूत आधारभूत ढांचे और विकसित आईटी पारिस्थितिकी तंत्र को इस

विस्तार के प्रमुख आधारों में माना जा रहा है। भारत में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटरों का विस्तार लगातार बढ़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अब केवल बैंक–ऑफिस कार्यों के लिए ही नहीं, बल्कि तकनीक, सॉफ्टवेयर, वित्त, अनुसंधान और नवाचार से जुड़े उच्च मूल्य वाले कामों के लिए भी भारत में अपने केंद्र स्थापित कर रही हैं। स्टारबक्स का चेन्नई में प्रस्तावित केंद्र इसी बदलती तस्वीर का हिस्सा है। इससे स्थानीय स्तर पर तकनीकी रोजगार के अवसर बढ़ने के साथ–साथ चेन्नई की वैश्विक तकनीकी पहचान को भी विस्तार मिलने की संभावना है। तकनीकी क्षेत्र में बढ़ते निवेश के बीच चेन्नई आने वाले समय में वैश्विक कंपनियों के लिए महत्वपूर्ण तकनीकी और नवाचार केंद्र के रूप में अपनी भूमिका और मजबूत कर सकता है।



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com मद्रुराई, 21 सितंबर 2026। पर्युषण पर्व के दौरान हुई धार्मिक आराधना, तपस्या, प्रवचन और

आध्यात्मिक गतिविधियों के बाद रविवार को मद्रुराई में भगवान महावीर स्वामी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। चातुर्मास के लिए विराजित साध्वी श्री आज्ञानिधि श्रीजी म.सा.

कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर हरिप्रसाद ने उठाए किसान और पर्यावरण के सवाल



भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु, 21 सितंबर 2026। कर्नाटक विधान परिषद के विशेष सत्र में पश्चिमी घाट और कस्तूरीरंगन समिति की रिपोर्ट को लेकर संरक्षण नेता बी.के. हरिप्रसाद ने पर्यावरण संरक्षण के साथ पश्चिमी घाट में पीढ़ियों से रह रहे किसानों और स्थानीय निवासियों के अधिकारों का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी घाट का प्रश्न केवल कर्नाटक तक सीमित नहीं है, बल्कि

गुजरात से केरल तक छह राज्यों से जुड़ा व्यापक पर्यावरणीय विषय है। हरिप्रसाद ने कहा कि कस्तूरीरंगन रिपोर्ट के तहत कर्नाटक के पश्चिमी घाट क्षेत्र में बड़ी संख्या में गांवों को पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र के दायरे में रखा गया है। उन्होंने

कहा कि इस विषय पर पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों की आजीविकाकृदोनों पहलुओं को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाना चाहिए। केंद्र सरकार ने जुलाई 2026 में पश्चिमी

घाट के लिए सातवीं मसौदा अधिसूचना जारी की है। इसमें छह राज्यों में कुल 56,825.7 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र के रूप में प्रस्तावित किया गया है। कर्नाटक के हिस्से में 20,668 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र प्रस्तावित है। कर्नाटक सरकार इस मसौदे पर आपत्ति जता चुकी है और राज्य में इसे लेकर विशेष विधायी सत्र भी बुलाया गया है। गांवों और सीमांकन को लेकर चिंता हरिप्रसाद ने अपने भाषण में कर्नाटक के बेलगावी, चामराजनगर, उत्तर कन्नड़, दक्षिण कन्नड़, चिक्कमगलुरु, कोडागु, शिवमोगा, उडुपी, हासन और मैसूर जिलों का उल्लेख करते हुए कहा कि

बड़ी संख्या में आबादी वाले गांव प्रस्तावित पर्यावरण–संवेदनशील क्षेत्र के दायरे में आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि रिपोर्ट से जुड़ी प्रमुख चिंताओं में गांवों की वास्तविक सीमाओं का निर्धारण, सर्वे नंबर के आधार पर सीमांकन, आवासीय और कृषि भूमि की स्थिति, भूमि मूल्य, बैंक ऋण, सड़क एवं सार्वजनिक सुविधाएं, स्थानीय रोजगार, होमस्टे तथा लोगों की आय जैसे विषय शामिल हैं। वर्तमान सातवीं मसौदा

अधिसूचना के संक्षे में कर्नाटक सरकार की ओर से अलग–अलग स्तर पर गांवों की संख्या को लेकर आंकड़े सामने आए हैं। राज्य सरकार के हालिया विवरण में 20,668 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र के साथ 10 जिलों के 39 तालुकों के 1,449 गांवों का उल्लेख से किया गया है, जबकि पूर्ववर्ती सीमांकन में 1,576 गांवों का आंकड़ा सामने आया था। गाडगिल से कस्तूरीरंगन तक बहस हरिप्रसाद ने गाडगिल समिति और कस्तूरीरंगन समिति के गठन की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए कहा कि पश्चिमी घाट में पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखना जरूरी है। साथ ही उन्होंने कहा कि संरक्षण के नाम पर सदियों से जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में रह रहे लोगों की आजीविका तथा

आवास पर संकट नहीं आना चाहिए। उन्होंने कहा कि गाडगिल रिपोर्ट में स्थानीय पर्यावरणीय संवेदनशीलता के आधार पर अलग–अलग क्षेत्रों के लिए नियंत्रण की बात कही गई थी, जबकि कस्तूरीरंगन समिति की सिफारिशों में खेती और बागवानी पर सामान्य प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव नहीं है। सातवीं मसौदा अधिसूचना में खनन, उत्खनन

और कुछ उच्च–प्रभाव वाली औद्योगिक गतिविधियों पर कड़े प्रतिबंध प्रस्तावित हैं जबकि कृषि और बागवानी गतिविधियों को सामान्य रूप से जारी रखने की बात स्पष्ट की गई है। संरक्षण और आजीविका के बीच संतुलन की मांग हरिप्रसाद ने कहा कि पश्चिमी घाट से निकलने वाली नदियां दक्षिण भारत के बड़े हिस्से के लिए महत्वपूर्ण हैं। इसलिए जंगल, मिट्टी और जलस्रोतों का संरक्षण आवश्यक है। उनके अनुसार, जंगलों के आसपास रहने वाले समुदायों ने लंबे समय से स्थानीय पर्यावरण के साथ जीवन जीते हुए इन क्षेत्रों को संरक्षित रखने में भूमिका निभाई है। उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिमी घाट के सभी क्षेत्रों पर एक समान नियंत्रण लागू करने के बजाय अत्यधिक प्राकृ

तिक और संवेदनशील क्षेत्रों की अलग से पहचान की जानी चाहिए तथा वहां संरक्षण के कड़े उपाय लागू किए जाने चाहिए। केरल मॉडल पर विशेषज्ञ समिति की मांग हरिप्रसाद ने कर्नाटक में केरल की तर्ज पर विशेषज्ञ समिति गठित कर जमीनी स्तर पर सर्वे कराने की मांग की। उनका कहना था कि केवल उपग्रह आधारित मैपिंग के आधार

पर अंतिम निर्णय लेने के बजाय गांव, परिवार, भूमि और वास्तविक उपयोग की स्थिति का भौतिक सत्यापन किया जाना चाहिए। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने भी आजीविका के बीच संतुलन की मांग के हरिप्रसाद पर जोर दिया है। वहीं राज्य सरकार ने केंद्र की सातवीं मसौदा अधिसूचना पर अपनी आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू की है। हरिप्रसाद ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी पर्यावरण की रक्षा करने के साथ किसानों, गरीब परिवारों और जंगल क्षेत्रों में पीढ़ियों से रह रहे लोगों के हितों की सुक्षा करना भी है। उन्होंने शरावती क्षेत्र के पुनर्वास से जुड़े लंबे समय से चले आ रहे मामलों का उदाहरण देते हुए सवाल उठाया कि यदि किसी क्षेत्र को पर्यावरण–संवेदनशील घोषित किया जाता है तो वहां रहने वाले लोगों के पुनर्वास और भविष्य की आजीविका की स्पष्ट व्यवस्था क्या होगी। उन्होंने कहा कि पश्चिमी घाट के संरक्षण के लिए ऐसा रास्ता निकाला जाना चाहिए जिसमें पर्यावरणीय सुक्षा और स्थानीय लोगों के अधिकारों के बीच संतुलन कायम हो।

बेंगलुरु में पीर शांतिनाथजी महाराज के जागरण की तैयारियां

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com बेंगलुरु, 21 सितंबर 2026। राजस्थान राजपूत संघ, बेंगलुरु की ओर से श्री श्री 1008 पीर श्री शांतिनाथजी महाराज की 14वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्य जागरण एवं महाप्रासादी कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष सुजानसिंह भाटी ने की। बैठक में संघ के उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, मीडिया प्रभारी सहित कार्यकारिणी के सदस्यों ने भाग लिया। इस दौरान आगामी 27 सितंबर 2026 को आयोजित होने वाले जागरण एवं महाप्रासादी कार्यक्रम

की व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम को व्यवस्थित एवं सफल बनाने के लिए पदाधिकारियों और कार्यकारिणी सदस्यों को विभिन्न जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं। संघ के अनुसार, 27 सितंबर, रविवार को पैलेस ग्राउंड, गेट नंबर 6, बेंगलुरु में शाम 4 बजे से भव्य जागरण का आयोजन

होगा। इसके पश्चात शाम 6 बजे से रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था रहेगी। जागरण में जोग भारती एवं गीता गोस्वामी भजनों की प्रस्तुति देंगे। वहीं बाल कलाकार अवनी पटेल एवं कैलाश मोदी नृत्य प्रस्तुतियां देंगे। आयोजकों ने बताया कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को भक्ति से जुड़ने का अवसर मिलेगा। बैठक के दौरान संघ के पदाधिकारियों ने समाजबंधुओं एवं श्रद्धालुओं से जागरण कार्यक्रम में उपस्थित होकर सहायता एवं महाप्रसादी का लाभ लेने तथा आयोजन की शोभा बढ़ाने का आह्वान किया। समाचार प्रेषकरु दलपतसिंह भायल, बेंगलुरु।



महाप्रसादी कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए लोकदेवता वीर तेजाजी महाराज के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। भजन संध्या में बिजोवा के भजन गायक गोविंददास वैष्णव ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी। भजनों के माध्यम से धार्मिक वातावरण बना रहा और उपस्थित श्रद्धालु भक्ति में भावविभोर नजर आए। कार्यक्रम के दौरान श्री वीर तेजाजी मित्र मंडल के अध्यक्ष कालूराम गोटिया, उपाध्यक्ष शंकरलाल सारण, कोषाध्यक्ष उदाराम पागोड़िया, उप कोषाध्यक्ष देवाराम मंडा, सचिव रिकबाराम बोला तथा उप सचिव रामनारायण भांबू सहित समाज के विशिष्ट बंधु उपस्थित रहे। आयोजकों की ओर से कार्यक्रम में शामिल श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी की व्यवस्था की गई। धार्मिक आयोजन के माध्यम से समाजबंधुओं ने एकजुटता के साथ तेजा

हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट का नया AI क्लाउड क्षेत्र शुरू , भारत की डिजिटल क्षमता को मिलेगा विस्तार

भारतार्थ खबर Bhaarataarth.com संवाददाता अशोक कुमार सिंह हैदराबाद, 21 सितंबर 2026। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्लाउड तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच हैदराबाद में माइक्रोसॉफ्ट ने अपना नया क्लाउड क्षेत्र शुरू किया है। India South Central नाम से शुरू किया गया यह नया क्षेत्र भारत में कंपनी का चौथा क्लाउड रीजन है। नए क्लाउड क्षेत्र को अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती जरूरतों

को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य भारत में कारोबार, सरकारी संस्थानों और अन्य संगठनों को स्थानीय स्तर पर क्लाउड और AI क्षमताएं उपलब्ध कराना है। नए क्षेत्र में तीन–जोन वाला इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया गया है, जिससे डिजिटल सेवाओं की निरंतरता और भविष्य में क्षमता बढ़ाने में मदद मिलेगी। आने वाले समय में यहां अतिरिक्त क्लाउड और AI सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। माइक्रोसॉफ्ट ने भारत में AI से जुड़े कौशल विकास पर भी जोर दिया है। कंपनी के अनुसार अब



तक एक करोड़ से अधिक भारतीयों कराने की दिशा में काम किया जा चुका है। कंपनी ने वर्ष 2030 तक

